काहे रोए यहाँ तेरा कोई नहीं भजन लिरिक्स

काहे रोए यहाँ तेरा कोई नहीं,

दोहा – दो दिन खेर मना आपणी,
दो दिन सजा ले मेला,
रो मत दो दिन हरि ने भज ले,
जन्म मरण सुधरेला।

काहे रोए यहाँ तेरा कोई नहीं,
किसको सुनाए यहाँ कोई नही,
काहे रोए यहाँ तेरा कोई नही।bd।

लाख जतन कर जग रिश्तों के,
तेरा है तूझे कोई ना रोके,
एक पेड़ के पत्ते लाखों,
ले गई लुट के पवन के झोंके,
मेरा मेरा मत कर बन्दे,
हरि करे सो होए वही,
काहे रोए यहाँ तेरा कोई नही।bd।

तू ही तेरा है परमेश्वर,
तुझसे बड़ा कोई ईश नही है,
खोज ले अपने मन के भीतर,
तुझसे परे जगदीश नहीं है,
जो मन अन्दर हरि को पावे,
जन्म जन्म तक खोए नही,
काहे रोए यहाँ तेरा कोई नही।bd।

तुलसी मन में शबरी वन में,
जागे तब रघुनाथ मिले,
हो बैरागन मीरा जागी,
घट घट में प्रभु साथ मिले,
अबके 'छोटू' जाग जा ऐसे,
हरि मिलन तक सोए नही,

Bhajan Diary Lyrics,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

काहे रोए यहाँ तेरा कोई नही।bd।

काहे रोए यहाँ तेरा कोई नही,
किसको सुनाए यहाँ कोई नही,
काहे रोए यहाँ तेरा कोई नही।bd।

Singer – Chotu Singh Rawna

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com